ईद मीलादुन्नबी को अवैध समझनेवाले के लिए उसमें उपस्थित होने का हुक्म

[हिन्दी – Hindi – هندي]

इफ़्ता की स्थायी समिति

अनुवाद : अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह

2013 - 1434

IslamHouse.com

حكم حضور المولد لمن يعتقد بطلانه

« باللغة الهندية »

اللجنة الدائمة للإفتاء

ترجمة : عطاء الرحمن ضياء الله

2013 - 1434

IslamHouse.com

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

मैं अति मेहरबान और दयालु अल्लाह के नाम से आरम्भ करता हूँ।

إن الحمد لله نحمده ونستعينه ونستغفره، ونعوذ بالله من شرور أنفسنا، وسيئات أعمالنا، من يهده الله فلا مضل له، ومن يضلل فلا هادي له، وبعد:

हर प्रकार की हम्द व सना (प्रशंसा और गुणगान) केवल अल्लाह के लिए योग्य है, हम उसी की प्रशंसा करते हैं, उसी से मदद मांगते और उसी से क्षमा याचना करते हैं, तथा हम अपने नफ्स की बुराई और अपने बुरे कामों से अल्लाह की पनाह में आते हैं, जिसे अल्लाह तआला हिदायत प्रदान करदे उसे कोई पथभ्रष्ट (गुमराह) करने वाला नहीं, और जिसे गुमराह कर दे उसे कोई हिदायत देने वाला नहीं। हम्द व सना के बाद :

ईद मीलादुन्नबी को अवैध समझनेवाले के लिए उसमें उपस्थित होने का हुक्म

प्रश्न :

क्या बिदअत वाली सभाओं जैसे – मीलादुन्नबी की रात, मेराज की रात और पंद्रह शाबान की रात के उत्सवों में उस व्यक्ति के लिए उपस्थित होना जायज़ है, जो उनके धर्मसंगत न होने का अक़ीदा रखता है ताकि वह उसके बारे में सच्चाई को बयान करे ?

उत्तर :

सर्व प्रथम : इन रातों का उत्सव मनाना और अनुष्ठान करना जायज़ नहीं है, बल्कि वह घृणित बिदअतों में से है।

दूसरा : इन उत्सवों में इस उददेश्य से जाना और उनमें उपस्थित होना धर्मसंगत है कि वह उनकी निंदा करे, उनके बारे में सच्चाई को स्पष्ट करे, और यह कि वे बिदअत हैं उनको करना जायज़ नहीं, विशेषकर उस व्यक्ति के लिए जो सच्चाई को स्पष्ट करने की क्षमता रखता है, और उसका

अधिक गुमान यह है कि वह फित्नों से सुरक्षित रहेगा। लेकिन जहाँ तक दिल्लगी, आनन्द और जानकारी प्राप्त करने के लिए उपस्थित होने की बात है तो यह जायज़ नहीं है ; क्योंकि इसके अंदर इन लोगों का उनके घृणित काम में साझा देना, उनकी संख्या को अधिक करना और उनकी बिदअत को बढ़ावा देना पाया जाता है।

और अल्लाह तआला ही तौफीक़ प्रदान करने वाला (शक्ति का स्रोत) है, तथा अल्लाह तआला हमारे ईश्दूत मुहम्मद, उनकी संतान और उनके साथियों पर दया और शांति अवतरित करे।

इफ्ता और वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थायी समिति

अब्दुल्लाह बिन क़ऊद (सदस्य)

अब्दुल्लाह बिन गुदैयान (सदस्य)

अब्दुर्रज़्ज़ाक़ अफीफी (उपाध्यक्ष)

अब्दुल अज़ीज़ बिन अब्दुल्लाह बिन बाज़ (अध्यक्ष)

''फतावा स्थयी समिति'' (3/37).